सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण केन्द्र

पालि

एकवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम

भाग - १

इकाई - १ **कालांश - ५**

सामान्य परिचय -

पालि - परिचय, थेरवाद-परिचय, पालि भाषा की विशेषताएं, बुद्ध का जीवन परिचय।

इकाई - २ **कालांश - २०**

पालि व्याकरण -

(क) पालि वर्णमाला, शब्द, नाम, सर्वनाम, लिंग, वचन, धातु, काल, पुरुष।

(ख) कारक, विभक्ति

(ग) शब्द रूप - अकारान्त पुल्लिंग ''बुद्ध''

(घ) धातु रूप - ''पठ'' धातु वर्तमान काल

(ड.) अभ्यास - पालि से हिन्दी अनुवाद / हिन्दी से पालि अनुवाद

इकाई - ३ **कालांश - २०**

(क) पालि त्रिपिटक का सामान्य परिचय - विनय पिटक, सुत्त पिटक, अभिधम्म पिटक

(ख) विनय पिटक महावग्ग - बोधिकथा, अजपालकथा, मुचलिन्दकथा, राजायतनकथा।

(ग) धम्मपद - यमकवग्ग, अप्पमादवग्ग, चित्तवग्ग।

(घ) बौद्ध तीर्थस्थल - लुम्बिनी, बोधगया, सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, वैशाली, राजगृह, नालन्दा, संकिसा।

भाग - २

इकाई - १ **कालांश - १५**

पालि व्याकरण -

(क) गण, उपसर्ग, निपाल, प्रत्यय, संख्यावाचक शब्द

(ख) सन्धि

(ग) शब्द रूप - आकारान्त स्त्रीलिंग ''लता''

(घ) धातु रूप - ''पठ'' धातु अतीत काल

(ड.) अभ्यास - पालि से हिन्दी अनुवाद / हिन्दी से पालि अनुवाद

इकाई - २ **कालांश - १०**

बौद्ध धर्म संगीति -

(क) प्रथम बौद्ध संगीति

(ख) द्वितीय बौद्ध संगीति

(ग) तृतीय बौद्ध संगीति

(ख) चतुर्थ बौद्ध संगीति

इकाई - ३ **कालांश - २०**

(क) विनय पिटक महावग्ग - ब्रह्मयाचनकथा, पंचवर्गीयकथा।

(ख) खुद्दकपाठ - मंगलसुत्त, रतनसुत्त, मेत्तसुत्त।

(ग) बौद्ध अवधारणा - अरिहन्त, बोधिसत्व, प्रत्येक बुद्ध, सम्यक् सम्बुद्ध, प्रव्रज्या, उपसम्पदा, त्रिरत्न, त्रिशरण।

(घ) बौद्ध दर्शन - चार आर्य सत्य, मध्यम मार्ग, आर्य आष्टांगिक मार्ग, शील, समाधि, प्रज्ञा।

भाग - ३

इकाई - १ **कालांश - २५**

पालि व्याकरण -

(क) समास

(ख) तद्धित

(ग) शब्द रूप - अकारान्त नपुंसकलिंग ''फल''

(घ) धातु रूप - ''पठ'' धातु अनागत काल

(ड.) अभ्यास - पालि से हिन्दी अनुवाद / हिन्दी से पालि अनुवाद

इकाई - २ **कालांश - २५**

परमार्थ धर्म -

(क) चित्त

(ख) चेतसिक

(ग) रूप

(घ) निर्वाण

इकाई - ३ **कालांश - ४०**

(क) जातक - सुंसुमार जातक, वानरिन्द जातक, बक जातक, सीहचम्म जातक, जवसकुण जातक।

(ख) सुत्तनिपात - पराभवसुत्त, वसलसुत्त।

(ग) बौद्ध शब्दावली - उपोसथ, वर्षावास, पवारणा, पंचस्कन्ध, पंचशील, समथ, विपश्यना, अनुपिटक, अट्ठकथा, उदान।

(घ) बौद्ध दर्शन - प्रतीत्यसमुत्पाद, ब्रह्मविहार, त्रिलक्षण, कर्म-कर्मफल।